प्रस्तुति

रास कला मंच

वार्ड नं. 9, नजदीक जेसीज भवन, सम्राट कॉलोनी,
सफीदों 126112 जीन्द (हरियाणा)

वेबसाईट:
www.raskamlamanch.in
दूरभाष:
92155 12300
ईमेल:
rasravimohan@gmail.com
raskalamanch@gmail.co

रास कला मंच, सफीदों

प्रस्तुत करता है

दूसरा आदमी दूसरी औरत

निर्देशन : रवि मोहन, नाट्य लेखन: विभा रानी

दिनांक:
08 अगस्त, 2017

समय : साय: 6:30 बजे

स्थान:
भरत मुनि रंगशाला
मल्टी आर्ट कल्चर सैन्टर
कुरूक्षेत्र

नाटक के बारे में

यह अतिरिक्त वैवाहिक संबंध पर आधारित दो पात्रिय नाटक है, स्त्री पुरुष जोकि एक दफ्तर मे साथ में काम करते हैं। भावनात्मक सहारे की कमी और अकेलापन दोनों पात्रो को जोड़ता है। नाटक शारीरिक संबंध और सैक्स के प्रति समाज की सोच को दर्शाता है। देह को मन की तुलना में इतना ऊपर कर दिया गया है कि मन की शुचिता के बदले हम केवल तन की शुद्धता पर केन्द्रित हो गए हैं। शरीर हमारे मन के भावों के साथ-साथ प्रेम की भी अभिव्यक्ति का माध्यम है लेकिन इसका मतलब यह नहीं की देह इतनी महत्वपूर्ण हो जाए कि मन और समाज दोनों हमसे छूटने लगे। नाटक संबंधो के अंर्तसंघर्ष को दर्शाता है। यह नाटक कुछ समय बाद रिश्तों में अपेक्षाओं के अपूर्ण रहने पर बोझिल होने के पश्चात् रिश्तों को खत्म करने या फिर रिश्ते को नया रुख देने का प्यारा संदेश दे जाता है।

निर्देशक के बारे में

अभिनेता, निर्देशक, प्रशिक्षक और मार्गदर्शक रवि मोहन रंगमंच और मीडिया के साथ पिछले लगभग 20 वर्षों से जुड़े है। 2002 मे इन्होंने अपने पिता श्री रास बिहारी जी के साथ अपना सांस्कृतिक दल 'रास कला मंच', सफीदों के नाम से आरंभ किया और युवा निर्देशक के रूप में पूरे देश भर में अपनी पहचान बनाई। रवि मोहन "रास" ने अभी तक 35 नाटको का निर्देशन और 15 नाटको में मुख्य अभिनेता के तौर पर अभिनय किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से इतिहास विषय मे लघु शोध करने के बावजूद इनका रंगमंच में व्यवसायिक रूप से आने का पूरा श्रेय श्रीमति डॉली अहलुवालिया तिवारी व श्री कमल तिवारी जी को देते है और ये अपने आपको उनका ऋणी मानते है। जिनकी वजह से इन्होने अपनी रंग-शिक्षा संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली व राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली के द्वारा आयोजित नाट्य कार्यशालाओं मे प्राप्त की व वरिष्ठ रंग-शिक्षको से रंगमंच की बारीकियों को सीखने का मौका मिला। इन्होंने भारत देश मे आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य समारोह मे कई नाटको की प्रस्तुतियां दी है। इन्हे अपने नाटको के लिए कई रंग पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए हैं।

रवि मोहन

नाट्य दल के बारे में

'रास कला मंच' की स्थापना कला प्रेमी व समाज सेवी श्री रास बिहारी ने हरियाणा मे स्थित जीन्द जिले के एक छोटे से कस्बे सफीदों मे की। यह नाट्य संस्था नौजवान और प्रखर रंगकर्मी श्री रवि मोहन और श्री मनीष जोशी की मेहनत व चेष्टाओं से आगे बढ़ी। ये नाट्य संस्था हरियाणा व देशभर मे पिछले 12 वर्षो से रंगकर्म के दायित्व का कलात्मक और धीरतापूर्वक संवहन कर रही है। सन 2015 में मनीष जोशी 'रास कला मंच' से अलग हुए और अपनी अलग नाट्य संस्था बनाई। इसके पश्चात श्री रवि मोहन ने स्वयं रास कला मंच का कार्यभार पूर्णरूप से संभाला। इसके बाद नाट्य दल ने कई नाट्य महोत्सवों में सफल भागीदारी निभाई है। संस्था द्वारा 'हम तो ऐसे ही है', 'नागमंडल', 'दूसरा आदमी दूसरी औरत', 'मैं कहानी हूँ', 'लख्मीगाथा', 'शिव विवाह', 'परसाई की चौपाल', 'चंदू भाई नाटक करते हैं', कहन कहानी कहन आदि नाटकों की सफल प्रस्तुतियाँ की गई हैं। इनमे से "हम तो ऐसे ही हैं" के 100 से अधिक प्रदर्शन देशभर में हो चुके हैं। रास कला मंच हरियाणा की लोक नाट्य शैली पर भी काम करती आई है। संस्था ने कई चर्चित सांस्कृतिक संस्थानो जैसे:- साहित्य कला परिषद, एन॰ जेड॰ सी॰ सी॰, डब्ल्यू॰ जेड॰ सी॰ सी॰, एन॰ सी॰ जेड॰ सी॰ सी॰, भागीदारी, चुनाव आयोग भारत सरकार, हरियाणा कला परिषद, मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर, सूचना जनसम्पर्क, एवं सांस्कृतिक विभाग चंडीगढ़ आदि के साथ भी कार्य किया है। रास कला मंच हर वर्ष "चलो थियेटर" के नाम से राष्ट्रीय नाट्य समारोह भी आयोजित करता है। जिसमे देश की प्रसिद्ध नाट्य संस्थाओं, युवा व वरिष्ठ रंगकर्मियो द्वारा निर्देशित नाटको को आमंत्रित किया जाता है। ये संस्था हर वर्ष आठ 'रास रंग कला सम्मान' जो हरियाणा राज्य व देशभर से चयनित रंगकर्मियो को रंगकर्म में उनके योगदान के लिए उनका उत्साह वर्धन करती है।

निर्देशकीय

ये कहानी हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही। चुनौती इसकी संवेदनशीलता को कुरेदना था, और सवाल ये भी था कि दर्शक इस नाजुक विषय की गंभीरता को समझ पाएंगे ? इस नाटक की खास बात ये है कि ये आसानी से हर तबके से जुड़ता चला जाता है। ठोस संवाद, खूबसूरत विषय वस्तु देखते ही बनते है, ये दो पात्रिय नाटक होते हुए भी दो पात्रिय दिखाई नहीं देता धीरे से दोनों किरदारो का परिवार भी इसमें समा जाता है। और दर्शको को संदेश के साथ इक 'एहसास' दे जाता है।

लेखिका बारे में

विभा रानी जी का जन्म 24 सितंबर 1959 को मधुबनी, बिहार में हुआ। विभा हिन्दी और मैथिली की राष्ट्रीय स्तर की लेखिका, अनुवादक नाट्य लेखिका व नाट्य कलाकार हैं। इन्होंने एकल नाटक के क्षेत्र में निरंतर और गंभीर काम किया है। इनकी हिन्दी व मैथिली में 20 से अधिक किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं। कथा सम्मान, महेश्वरी सिंह, 'महेश' सम्मान, प्रथम राजीव सरस्वत सम्मान, साहित्य सेवी सम्मान, सर्वोतम महिला कलाकार, सर्वोतम नाटक सम्मान, आचार्य विष्णुदास भावे सम्मान, विमन अचिवर्स सम्मान व स्वदेश दीपक सम्मान जैसे कई अवार्ड्स से सम्मानित हैं।

मंच पर:	रवि मोहन	डॉ॰ मधुदीप सिंह	
मंच परे :			
लेखिका:	विभा रानी	संगीत रचना:	संतोष कुमार सेंडी
मंच परिकल्पना:	यशुदास भारद्वाज	वेशभूषा :	रुचि भारद्वाज
प्रकाश परिकल्पना:	पवन भारद्वाज	संगीत प्रबन्धक:	गौरव सक्सेना
मंच पार्श्व:	आशीष सैनी, सोमबीर प्रजापत	दृश्य एवं चलचित्र संचालन:	राहुल शर्मा
परिकल्पना व निर्देशन:	रवि मोहन 'रास'	प्रस्तुति:	रास कला मंच, सफीदों (हरियाणा)